अभ्यास

सोचो और बताओ- (मौखिक)

प्र०(क) झाऊलाल की पत्नी कितने रुपए की माँग कर रही थी?

उ० झाऊलाल की पत्नी ढाई सौ रुपए की माँग कर रही थी।

Scanned with CamScanner

प्र०(ख) झाऊलाल पानी कहाँ पी रहे थे?

उ० झाऊलाल पानी छत की मुडेर पर पी रहे थे।

प्र०(ग) लोटा किसके ऊपर गिरा?

उ० लोटा एक अँगरेज़ के ऊपर गिरा।

प्र०(घ) झाऊलाल की परेशानी का क्या कारण था?

उ० झाऊलाल की परेशानी थी कि कहीं यह अँगरेज़ उन्हें पुलिस थाने में बंद न करा दे।

लिखित-

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-

प्र०(क) लाला झाऊलाल की आर्थिक स्थिति कैसी थी?

उ० लाला झाऊलाल की आर्थिक स्थिति सामान्य थी।

प्र०(ख) बिलवासी मिश्र कौन थे? उन्होंने मित्र के लिए पैसों का प्रबंध कैसे किया?

उ० पं० बिलवासी मिश्र झाऊलाल के मित्र थे। उन्होंने अपनी तात्कालिक बुद्धि से लोटे को नीलाम करवाकर पैसों का इंतज़ाम करवाया।

प्र०(ग) बिलवासी मिश्र ने अँगरेज़ से कैसे सौदा पटाया?

उ० बिलवासी मिश्र ने अँगरेज़ से यह कहकर सौदा पटाया कि यह लोटा कोई साधारण लोटा नहीं है। यह तो अकबरी लोटा है। कलकत्ता के म्यूजियम वालों को पता चल जाए तो वे इसकी मुँह माँगी कीमत दे सकते हैं। इस बात पर अँगरेज़ ने लोटे को पाँच सौ रुपए में खरीद लिया।

प्र०(घ) कहानी के आधार पर बिलवासी मिश्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

उ० पं० बिलवासी मिश्र एक अच्छे इंसान हैं। वे झाऊलाल के अच्छे मित्र हैं। वे बुद्धिमान बहुत हैं। परिस्थिति के अनुसार तुरंत उनकी बुद्धि काम कर लेती है। किसी बात को समझाने का उन्हें अच्छा ज्ञान है। यह अलग बात है कि अपनी बुद्धिमानी से अपने मित्र के लिए रुपयों का इंतज़ाम करके पहुँचे थे। यह एक अच्छे मित्र की निशानी है। कुल मिलाकर पं० बिलवासी बहुत अच्छे मित्र व इंसान हैं।

प्र०(ङ) अंततः लोटा किसने और कितने में खरीदा?

उ० अंततः लोटा एक अँगेरज़ ने पाँच सौ रुपए में खरीदा।

Scanned with CamScanner

2. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाओ–

उ० (क) लाला झाऊलाल का मकान <u>काशी</u> ✓ के ठठेरी बाज़ार में था।

(ख) उनके परिवार में केवल <u>दो</u> ✓ प्राणी थे।

(ग) लोटा एक <u>अँगरेज़</u> ✓ के पैरों पर जा गिरा।

(घ) झाऊलाल के मित्र का नाम <u>बिलवासी मिश्र</u> ✓ था।

(ङ) लोटा <u>पाँच सौ</u> ✓ में बिका।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

उ० (क) लाला झाऊलाल के पास <u>खाने-पीने</u> की कमी न थी।

(ख) वे पत्नी की मीठी मार से <u>तिलमिला</u> उठे।

(ग) प्रश्न अपनी <u>प्रतिष्ठा</u> का था।

(घ) वह पानी तो ज़रूर लाईं पर <u>गिलास</u> लाना भूल गईं।

(ङ) गली में ज़ोर का <u>हल्ला</u> उठा।

4. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ–

उ० **शब्द**	**वाक्य**
लोटा	यह <u>लोटा</u> तो अकबरी लोटा है।
म्यूजियम	<u>म्यूजियम</u> वाले तो इस लोटे की तलाश में हैं।
चारपाई	अँगरेज़ को <u>चारपाई</u> पर बैठा दिया।
अँगड़ाई	~~शेर ने मुझे देखकर~~ <u>अँगड़ाई</u> ली। पं. बिलवासी ने चिंता मुक्त होकर अँगड़ाई ली

5. किसने-किससे कहा–

उ० (क) **"लेकिन मुझे इसी ज़िंदगी में चाहिए।"**

उ० यह बात झाऊलाल की पत्नी ने झाऊलाल से कही।

(ख) **"अजी, इसी सप्ताह ले लेना।"**

उ० यह बात झाऊलाल ने अपनी पत्नी से कही।

(ग) **"हाँ जी, मर्द की एक बात।"**

उ० यह बात झाऊलाल ने अपनी पत्नी से कही।

(घ) **"आप इस शख्स को जानते हैं।"**

उ० यह बात अँगरेज़ ने बिलवासी से पूछी।

(ङ) **"पास ही है, चलिए मैं बताऊँ।"**

उ० यह बात बिलवासी ने अँगरेज़ से कही।

Scanned with CamScanner

आओ भाषा सीखें-

1. निम्नलिखित समध्वनि भिन्नार्थक युग्म शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाओ-

उ०

शब्द	अर्थ	वाक्य
(क) हँस	हँसना	वह मुझे देखकर हँस रहा है।
हंस	एक पक्षी	हंस पक्षी तालाब के किनारे बैठा है।
(ख) बार	समय (दिन)	आज कौन-सा बार है।
वार	प्रहार	तलवार का वार कठिन होता है।
(ग) कल	आने वाला तथा बीता हुआ	कल मैं विद्यालय अवश्य जाऊँगा।
काल	समय	जो काल बीत गया, वह नहीं लौटेगा।
(घ) मातृ	माता	यह मेरा मातृ सदन है।
मात्र	केवल	मैं तो मात्र तुम्हारा ही ध्यान रखता हूँ।
(ङ) बात	कथन	मैं तो तुम्हारी बात सदैव मानता हूँ।
वात	वायु	वातायन से ठंडी वात आ रही है।

2. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखो-

उ०

वाक्यांश	एक शब्द
(क) वर्ष में होने वाला	वार्षिक
(ख) सप्ताह में होने वाला	साप्ताहिक
(ग) महीने में होने वाला	मासिक
(घ) पंद्रह दिन में होने वाला	पाक्षिक
(ङ) इतिहास से संबंधित	ऐतिहासिक

3. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य-प्रयोग करो-

उ०

मुहावरा	अर्थ
(क) काटो तो खून नहीं	अधिक घबरा जाना

वाक्य- मोहन जब चोरी करते पकड़ा गया तो ऐसा लगा जैसे उसको काटो तो खून नहीं।

(ख) आँख सेंकना — किसी को देखकर मौज़ का अनुभव करना

वाक्य- लाला जी को औरतों को देखकर आँख सेंकने की आदत है।

(ग) फ़िकरा कसना — टेढ़ी-मेढ़ी बात कहना

वाक्य- मैं गणित में फेल क्या हो गया तो सोहन रोज़ फ़िकरा कसता है।

(घ) लाल-पीला होना — बहुत क्रोधित होना

वाक्य- सोहन के गाली देते ही रोहन लाल-पीला हो गया।

Scanned with CamScanner